

উৎস: নজরগল- সঙ্গীত স্বরলিপি, অষ্টম খণ্ড (দ্বিতীয় মুদ্রণ, চৈত্র ১৪০৩)। নজরগল ইন্সটিউট
স্বরলিপিকার: সুধীন দাশ / ব্রহ্মোহন ঠাকুর

সোনার হিন্দোজে কিশোর-কিশোরী
দোজে ঝুঁজনের উৎসব রংজে
বিন্দু বিন্দু বারি অবিরত পড়ে বারি
বাজে তাজ জনস হৃদজে ॥

জড়াইয়া শ্যামে দোলে ভৌরু রাধা
থির বিজুরি ডোরে ফেষ যেন বাঁধা
পরব কোলে ঝুলদল দোলে
(ফেন) গোপীদল গোপীবলভ সঙ্গে ॥

উল্লাসে থরথর অরতির বহে বাঘ
পুলকে ডালে তাজে কলম লিহরাও
দুলিটে গোপীদের হলিটের জাবনী
আনন্দ উত্তরেজ পাহে ঝুন্দাবনী
নুপুর মধুর বাজে যমুনা তুরজে
ঝুঁজনের উৎসব রংজে ॥

H.M.V. N ৭২৫০ || পিছী : মিঃ সুধীর দত্ত || আশুনিক || তাজ : কাহারু বা

আলাপ ৩

সা	-	-	-রসা	-পূনা	-সরা	-	-সা
আ	০	০	০০	০০	০০	০	০

॥ সরা রপাঃ | -পথপাঃ মা | মগা -রগরা | "সা না | - পনাঃ | সঃ রা | রগা রগপমা | -গরা সন্তা ||
সো০ নাং ০০০ র ছি০ ০০০ দো জে ০ কিশো র কি শো০ রী০ ০০ দোজে

I - সরাঃ | অঃ পধা || "গধপমাঃ মঃ | গা রগা || সরা -গঃ | সঃ সা || সরা রপাঃ | -পথপাঃ মা ||
০ ঝুল মে জ০ ০০০০ উৎ স ব০ ০০ ০ গে সো০ নাং ০০০ র

I মগা রগরা | "সা না | - ন্তসাঃ | সঃ তা | রত্না রসা | সরগা সা | - সরাঃ | মঃ পধা ||
ছি০ ০০০ দো জে ০ কিশো র কি শো০ রী০ দো০০০ জে ০ ঝুল মে জ০

I ॥-গুপ্তমাঃ মঃ | গা রসা | সরা -গাঃ | -সঃ সা || (মাঃ -রঃ | মা মা) -গা পাঃ | পঃ পা ||
0000 উৎ স বৰ রূ ও ০ গে বি ন দু বি নু দু বা রি

I রসা মগা | -ধুমাঃ মমা | রসা গুগরা | "সা সা) | সৰ্বাৰ্সী | পথপা -মগা | সৰা রথা | -ধুমগা অমা ||
অ০ বি ০ ০০ রূ পৰ ক্ষে০০০ বা রি বাজে০ ১০০ ০৯ অ০ লো ০০০০ দয়

I রসাঃ -রঃ | "সা -ন ||
দো ঙ গে ০

[গা না ন মাঃ -ধঃ -এ]

II { ন মগা | গা পনা } পা ন | না -সনা || -পা "সাঃ | সঃ সী || "সী-ন | সী-ন ||
০ অড়া ই রাঁ শ্বা ০ মে ০০ ০ দেজে ভৌ রূ রা ০ ধা ০

I ন সী | রৰ্বা রৰ্বা | সৰ্বগ্র্যা -সৰ্বাঃ | সঃ না || ন পনাঃ | সঃ রৰ্বৰ্বা || সনা -সীঃ | সঃ ন ||
০ ধি রূবি জু বী০০০ ০০ ড়া রে ০ মেব ঘে ন০০ বাঁ ০ ধা ০

I (সৰ্বী -পনা | -সৰ্বা ন | ন -সী | ন -ন | -পনা -সৰ্বা | ন -সৰ্বা | -সনা "ধা | -পা -ন ||
অী ০

I -পথা -মগা | -ধা -পমা | "গা -রা | এ -রসা || -সৱা -গা | এ -সা || এ -সৱা | -মগা -পগা ||
০০ ০০ ০

I অৰ্বী এ | ন এ)} || (ন "নাঃ ন মঃ সী | নসী -রঃ | "সৰ্বশ: -ধগা || পথা ধগাঃ | মগাঃ মমা ||
০ ০

I গৱা সৱা | সা -এ)} || (ন সী | -মজা জা | রা জৱসাঃ | সঃ রা | সৱা -গুগমাঃ | মঃ মা ||
দো ০

[୫]

I ରତ୍ନା -ଗମଗା | ରତ୍ନା (ନ୍ଦ୍ରା) } | -ନ ସରାଃ | ମହ ପଥା } "ଶିଖମାଃ ମହ | ଗୀ ରତ୍ନା | ସରା-ଗାଃ | -ସହ ସା }
ରେ ୦୦୬, ପେଟ ଯେଣ ୦ ବୁଲ ମେ ରେ ୦ ୦୦୦୦ ଉତ୍ତି ସ ବେ ୧୦ ରେ ୩, ୦ ପେ

II - ନ ସରାଃ | ମହ ମଗା | "ଧା ଧାଃ | ଧଃ ଧନ୍ଦମା | -ମା -କୁରା | ମମା ମଗା | ମଗା ପା | "ପା - ନ |
୦ ଉତ୍ତି କା ମେ ୦ ଥ ର ଥ ୧୦୦୦ ୦ ଥର ୦୦୫ ରେ ୧୦ ବେ ହେ ବା ଯୁ

I ପଥଃ ଧା | -ର୍ଜୀ ସୀ } ଧା ଧାଃ | ଧଃ ଧନ୍ଦମା | -ପଥା ମରାହା -ଃ ରା | ରତ୍ନା ସା | ସା -ନ୍ଦ୍ରା |
୦୩୦ ର ୦୦ କେ ଡା ଜେ ଡା ଜେ୦୦ ୦୦ କମ ଯୁ ବ ଶି୦ ହ ରା ୦୦

I "ଧାଃ -ସଃ | -ନ -ନ | ସା -ସରା | -ମମା -ଧଗା | "ଧା -ନ | ଧନ୍ଦମା -ମମା | -ମା -ଧଗା | "ଧା -ର୍ଜୀ |
୦ ୦ ୦ ରୁ ଆ ୦୦ ୦୦ ୦୦ ୦୦ ୦୦ ୦୦ ୦୦ ୦୦ ୦୦ ୦୦

I - ନ | - ନ - ନ | - ନ ଯା | ମା ସନ୍ଧା | "ସା ସାଃ | ସଃ -ସା | - ନ ଧରମା | ରରା -ସା |
୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ଦୂର ଟି ତେ୦ ଗୋ ପୀ ଦେ ର ୦ ୧୦୦୦ ରୁ ଟିର ୦

I ର୍ଜୀ ସା | "ସା -ନ | ସା ନ୍ଦ୍ରା | -ର୍ଜୀ ଧଗା | ଧଗା ପର୍ମଗା | ଧଗା ଧମା | ଧଗା -ମଗା | "ପା ଯା |
ଜାୟ ବ ଲୀ ୦ ଆ ନେ ୦୯ ଦୂ ଦୂ ଉ୦ ଉ୦ ରେ ୦୦ ରେ ୦୦

I ଧରା ରତ୍ନା | ରତ୍ନା -ନ | "ସା ରା | ମା ପା | ପର୍ମା "ପା | ପର୍ମଗା ରା | ରତ୍ନା ରତ୍ନା | "ନ୍ଦ୍ରା ମଗା |
ଦାୟ କୁ ମୀ ୦ ମୁ ପୁ ର ମ ଧୁ୦ ର ବା୦୦ ଜେ ଥୀ ମୁ୦ ନା ତେ

I ରତ୍ନା -ଧମା | ରତ୍ନା -ନ | - ନ ସରାଃ | ମହ ପଥା } "ଶିଖମାଃ ମହ | ଗୀ ରତ୍ନା | ସରା ଗା | -ଶତ ସା ||||
ରେ ୦୦୬ ଅ୦୦ ୦ ବୁଲ ମେ ରେ ୦ ୦୦୦୦ ଉତ୍ତି ସ ବେ ୧୦ ରେ ୩, ୦ ପେ